राष्ट्रीय किशोर मण्डल के अधिवेशन का समापन

जो जागरूक होता है वह सफल होता है : आचार्यश्री महाप्रज्ञ

लाडनूं, 25 मई, 2009।

जैन विश्व भारती में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में चल रहे तीन दिवसीय पांचवे राष्ट्रीय किशोर मण्डल के अधिवेशन के समापन के अववसर पर आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमारी परंपरा में वह आचार्य सफल आचार्य होता है जो भावी पीढी के प्रति जागरूक होता है। उसी तरह वह समाज, वह संगठन सफल होता है जो अपनी भावी पीढी के प्रति जागरूक होता है। जो जागृत रहता है उसकी बुद्धि बढ़ती है।

आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि वह व्यक्ति सफल होता है हर समस्या के प्रति जागरूक रहता है। तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मण्डल जागरूक है और यह जागृति का लक्षण है कि देशभर से बच्चे संस्कारों का निर्माण करने व तैयार होने के लिए आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज बहुत बड़ी अपेक्षा है जैन विद्वानों को तैयार करना है सब लोग आर्थिक जगत में जा रहे हैं, प्रथम कोटि के जैन विद्वान तैयार होने की अपेक्षा है, समाज में सेवा देने, संस्कार का निर्माण करने से ही अच्छा संगठन बन सकता है।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि जिन बच्चों में अच्छे संस्कार होते हैं तो अच्छा विकास हो सकता है। यदि अच्छे संस्कारों का निर्माण नहीं होता है तो परिवार समाज में समस्या बन जाती है।

इस अवसर पर प्रभारी मुनि दिनेशकुमार ने कहा कि आज का किशोर ही भावी पीढी का युवक है। जब किशोर अच्छा नहीं है तो वह आगे जाकर अच्छा युवक नहीं बन सकता।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मर्यादाकुमार कोठारी ने श्रेष्ठ किशोर मण्डल उधना, बैंगलोर, श्रीडूंगरगढ़ की घोषणा की। राष्ट्रीय किशोर मण्डल के प्रभारी सुबोध दूगड़ ने अपने विचार व्यक्त किये। किशोर मण्डल के बालक पीयुष बालड़ ने सुंदर व्यवस्था से रूबरू होकर अपने विचार व्यक्त किये। खुशबू गुंदेचा ने अपने विचार गीत के माध्यम से व्यक्त किये।

इस अवसर पर अभातेयुप के महामंत्री श्री गौतम डागा ने आभार ज्ञापन किया। इस अवसर पर अभातेयपु कोषाध्यक्ष श्री प्रदीप बोथरा, अधिवेशन सहयोगी श्री करण बैद, श्री चमन दुधेड़िया, श्री अजय चौरड़िया आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।